मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 116, मुंबई, सोमवार, 6 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

गाजियाबाद की अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

7 लोगों की मौत, 20 दिन पहले ही पड़ा था छापा

संवाददाता

लखनऊ। गाजियाबाद में रविवार को एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका हो गया। इस विस्फोट में 7 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि 20 दिन पहले ही यहां छापा पड़ा था। अचानक हुए धमाके से आसपास के इलाके में लोगों में दहशत का माहौल है। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। यहां काम करने वालों में ज्यादातर महिलाएं ही हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फैक्ट्री यहां लंबे समय से चल रही थी। यहां केक में लगाई जाने वाली फुलझड़ी बनाई जाती थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संजय राउत का...गवर्नर पर निशाना

...कहा- विधान परिषद में 12 सदस्यों की नियुक्ति में करेंगे देरी

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक बार फिर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर निशाना साधा है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने संडे कॉलम में संजय राउत ने आरोप लगाया कि राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी महाराष्ट्र के विधान परिषद में 12 प्रतिष्ठित सदस्यों की नियुक्ति में देरी करेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शिवसेना नेता संजय राउत ने राज्यपाल के कोटे से महाराष्ट्र विधान परिषद के 12 सदस्यों की नियुक्ति के मुद्दे पर भाजपा पर प्रहार किया और कहा कि नामांकन में विलंब संविधान का उल्लंघन और स्वतंत्रता का दमन होगा।

अप्रैल में भी संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में नियुक्ति में देरी को लेकर राज्यपाल पर निशाना साधा था.

कॉल गर्ल निकली कोरोना पॉजीटिव, कई साहबजादों की सांसे अटकी

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

एसओपी तय किये जाने के बाद महाराष्ट्र में रेस्तरां फिर से खोले जाने पर निर्णय: ठाकरे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि राज्य में होटल एवं रेस्तरां फिर से खोले जाने के बारे में निर्णय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप दिये जाने के बाद लिया जाएगा। होटल एवं लॉज के विभिन्न संघों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि होटल उद्योग ने पर्यटन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अन्य बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कंपनियों से अपने श्रमिकों की छंटनी नहीं करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा, होटलों और रेस्तरां को फिर से खोले जाने के लिये एसओपी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सामयिक यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लद्दाख यात्रा न केवल तात्कालिक, बल्कि एक ऐसे दीर्घकालिक संदेश की तरह है, जिसकी गूंज दुनिया में कुछ समय तक बनी रहेगी। विशेषज्ञ भी यह मान रहे हैं कि जो वह दिल्ली में बैठकर नहीं कर पा रहे थे, उसे उन्होंने लेह-लद्दाख पहुंचकर कर दिखाया। उन्होंने मोर्चे पर सैनिकों के बीच जाकर जो सबसे महत्वपूर्ण बात कही है, उसकी प्रासंगिकता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में सबसे ज्यादा है। भले उन्होंने चीन का नाम न लिया, पर दो टूक कहा कि विस्तारवाद का दौर समाप्त हो चुका है, यह विकास का दौर है। वाकई उनका यह कहना चीन की नीतियों और दुस्साहस पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है। सीमा पर पहुंचकर श्रीकृष्ण को याद करने का भी अपना महत्व है। एक ओर, बांसुरी है, तो दूसरी ओर, सुदर्शन चक्र। भारतीय राजनय जहां एक ओर, बंधुत्व और सद्भाव में विश्वास करता आया है, वहीं भारत की बहुमूल्य जमीन पर कुछ साम्राज्यवादी शक्तियों की गिद्ध दृष्टि कभी-कभी उसे अशांत करती रही है। आज भारत को सीमा पर फिर ललकारा गया है, वीर भारतीय जवानों का खून बहा है, भावनाएं ज्वार पर हैं, लेकिन तब भी भारत अपनी सद्भावी नीतियों को भूला नहीं है। भारत के संयम और भावनाओं के पक्ष में दुनिया की शक्तियां खुलकर सामने आने लगी हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान इत्यादि अनेक सशक्त देश हैं, जो भारत के साथ खड़े हैं और चीन की निंदा का ग्राफ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। चीनी एप पर लगाए गए प्रतिबंध इत्यादि को अगर हम सांकेतिक भी मानें, तब भी दुनिया के कोने-कोने तक भारत की नाराजगी पहुंची है। उम्मीद करनी चाहिए और बहुत हद तक संभव है कि भारतीय प्रधानमंत्री के लद्दाख पहुंचने से पड़ोसी देश भारत की नाराजगी को साफ तौर पर समझ सकेगा। बेशक, तनाव के दिनों में किसी प्रधानमंत्री का मोर्चे पर जाना और सेना के आला अधिकारियों के लगातार दौरे यह साबित करते हैं कि हम अपनी जमीन और जवानों के मनोबल के साथ हैं। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री का यह दौरा चीन को अच्छा नहीं लगा है और उसने चल रही बातचीत का हवाला दिया है। क्या जब सैन्य स्तर पर बातचीत चल रही थी, तब भारतीय प्रधानमंत्री को वहां नहीं जाना चाहिए था? इस सवाल के जवाब के लिए हमें बातचीत की गुणवत्ता पर एक बार जरूर नजर डाल लेनी चाहिए। लगभग पांच दौर की बातचीत सीमा पर हो चुकी है। वार्ताएं 12-12 घंटे तक चली हैं, पर नतीजा सिफर रहा है। वार्ता इसलिए नहीं होती कि कोई देश अपनी सीधी बात को बार-बार दोहराता रहे और सामने बैठा देश किसी भी जायज बात पर कान न दे। शायद चीन चाहता है कि भारत कुछ समय बाद शांत पड़ जाए और गलवान घाटी की भारतीय जमीन पर उसके शिविर स्थाई मान लिए जाएं। यह चीन का पुराना तरीका बताया जाता है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि यह तरीका चीन को उल्टा पड़ रहा है। उसकी हठधर्मिता से उसके प्रति न सिर्फ भारत, बल्कि अन्य देशों में भी नाराजगी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के दौरे का यह संदेश भी है कि बेनतीजा वार्ताओं से परे भी भारत सोच रहा है। भारत की सोच के प्रति चीन को समझदार बनना पडेगा। वह समझदारी दिखाने में जितनी देरी करेगा, दुश्मनी की गांठ को अपने ही हाथों और बड़ी करता चला जाएगा। ध्यान रहे, इस बार उसकी विस्तारवादी तानाशाही पूरी दुनिया को चुभ रही है।

चीन को संदेश

भारत गलवन घाटी में चीन की धोखेबाजी का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है, इसे प्रधानमंत्री ने लेह दौरे के अपने उस संबोधन से और अच्छी तरह स्पष्ट कर दिया जिसमें उन्होंने चीन को विस्तारवादी बताया। चीनी दुस्साहस के प्रतिकार का सबसे सही तरीका यही है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसकी मजबूत पकड़ को ढीला किया जाए। इससे ही उसे सबक मिलेगा, क्योंकि वह अपनी आर्थिक ताकत के जरिये अपने विस्तारवादी एजेंडे को बढ़ा रहा है। यह बहस का विषय हो सकता है कि आखिर भारत चीन के आर्थिक चंगुल में क्यों फंसा, लेकिन यह समझने की जरूरत है कि जब चीनी कंपनियां सस्ता माल उपलब्ध कराएंगी तो कोई भी देश उन्हें खरीदने के लिए लालायित होगा। आज चीन के सस्ते कच्चे माल और उत्पादों के मामले में जो स्थिति भारत की है वही दुनिया के अन्य देशों की भी। चीन सस्ते उत्पाद उपलब्ध कराने में इसलिए सफल हुआ, क्योंकि बीते चार दशकों में इसके लिए उसने न केवल एक अभियान छेड़ा, बल्कि अपनी मुद्रा का अवमूल्यन कर अपने निर्यात को आकर्षक भी बनाया। इसके चलते ही वह दुनिया का कारखाना बन गया। भारत 1962 के युद्ध के बाद कई दशकों तक तो चीन से सशंकित रहा, लेकिन बाद में जब चीनी सत्ता ने अपना रुख बदला तो भारत भी उससे दोस्ताना संबंध कायम करने पर सहमत हो गया। इन दोस्ताना संबंधों के बीच सीमा विवाद सुलझाने के लिए बात होती रही, लेकिन भारत ने इस पर गौर नहीं किया कि चीन इस विवाद को सुलझाने का इच्छुक नहीं। हम यह भी नहीं देख सके कि चीन किस तरह पाकिस्तान को हमारे खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। हम उसकी संवेदनशीलता की तब भी चिंता करते रहे जब वह अरुणाचल और कश्मीर को लेकर अपनी बदनीयती दिखाता रहा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गलियारे का निर्माण भी उसकी बदनीयती का प्रमाण है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का भारत में शरण लेना चीन को नागवार गुजरा और वह अभी भी उनके प्रति आक्रामक है। अब जब चीन ने अपने विस्तारवादी इरादे खुलकर जाहिर कर दिए हैं तब फिर इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि भारत अपनी रणनीति बदले। इस बदली हुई रणनीति के तहत चीन के 59 एप पर पाबंदी लगाने के साथ उसकी कंपनियों को तमाम क्षेत्रों से बाहर किया जा रहा है। इसका चीन पर असर दिखने लगा है। उसने अपने एप पर पाबंदी के खिलाफ डब्ल्यूटीओ जाने की धमकी दी है। इससे उसे कुछ हासिल होने वाला नहीं, क्योंकि वह खुद डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करता है। एक आकलन के अनुसार 59 चीनी एप पर पाबंदी से चीनी कंपनियों को अरबों रुपये की चोट पहुंच सकती है। तकनीक के क्षेत्र में भारत में पैठ बनाने के उनके इरादों पर भी पानी फिरेगा। आइटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सही कहा कि चीनी एप पर पाबंदी एक तरह की डिजिटल स्ट्राइक है। यह भी आवश्यक है कि चीन के खिलाफ विश्व स्तर पर जो आवाज बुलंद हो रही है उसमें भारत अपना सुर मिलाए। वैसे भी विश्व समुदाय चीन से पहले से ही खफा है, क्योंकि उसकी लापरवाही से ही कोविड-19 महामारी दुनिया भर में फैली। गलवन घाटी की घटना के बाद कई देशों ने भारत से सहानुभूति भी जताई है। इनमें विकसित देश भी हैं। यह अच्छा हुआ कि अन्य देशों के साथ भारत ने भी यह मांग की है कि इसकी तह तक जाया जाए कि कोरोना वायरस वुहान से निकलकर सारी दुनिया में कैसे फैला? चीन को जवाब देने के लिए सैन्य मोर्चे पर भी तैयारी समय की मांग है। भारत ने अपनी सेनाओं के लिए राफेल समेत अन्य लड़ाकू विमान और हथियार एवं उपकरण जुटाने की तैयारी तेज कर दी है। चीन को यह अहसास होना चाहिए कि यह 1962 वाला भारत नहीं है। चीन को यह संदेश देना जरूरी है कि अगर उसने भारत की जमीन हथियाने की कोशिश की तो उसे उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। चीन ने कीमत चुकानी शुरू भी कर दी है। अहंकारी चीनी सत्ता के सिर उठा लेने के बाद यह आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दल उसके खिलाफ एकजुट हों। यह दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है कि कांग्रेस और वामदल इस एकजुटता में बाधक बन रहे हैं। राहुल गांधी मोदी सरकार और प्रधानमंत्री को लांछित करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वह छल-कपट का सहारा भी लेने में लगे हुए हैं। जिस दिन प्रधानमंत्री लेह में थे उसी दिन उन्होंने एक वीडियो जारी किया जिसमें कथित तौर पर लद्दाख के कुछ निवासियों के हवाले से यह बताया गया कि गलवन के हालात को लेकर सरकार जो कह रही है वह सही नहीं। बाद में पता चला कि लद्दाख के ये कथित नागरिक कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता हैं। यह नकारात्मकता की हद है। राहुल नकारात्मक बातों से देश की छवि खराब करने के साथ ही राष्ट्रीय हितों पर चोट करते दिख रहे हैं। उनकी बेजा बयानबाजी पर भाजपा ने जो पलटवार किया कि उससे यह पता चला कि संप्रग शासन के वक्त कांग्रेस ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से एक वैचारिक समझौता किया। यह समझौता सोनिया और राहुल की वामपंथी सोच को ही उजागर करता है।

पानी बनाया नहीं जा सकता है इसलिए उसे सहेजना आने वाले कल के लिए बेहद जरूरी

भले ही पानी बनाने की कच्ची सामग्री हमारे आस-पास भरपूर मात्रा में हो मगर पानी बनाया नहीं जा सकता। ऐसे में उसका उपयोग जिम्मेदारी से करना हमारी प्राथमिकता में होना बेहद जरूरी है...मानसून ने दस्तक दे दी है।

प्रकृति का सबसे अनमोल तोहफा इन दिनों हमारी झोली में बरस रहा है। पानी के बारे में सबसे जरूरी बात यह है जो हर साधारण हिंदुस्तानी और हर बढ़िया विज्ञानी भी जानता है कि पानी बनाया नहीं जा सकता। आज भले ही आधुनिक विज्ञान ने अकल्पनीय तरक्की कर ली है। हम अणु के भीतर परमाणु को भेदकर उससे ऊर्जा निकाल लेते हैं। प्रयोगशालाओं में ऐसे मूल तत्व भी बन गए हैं जो प्रकृति में पाए भी नहीं जाते, इसके बावजूद हम जल नहीं बना सकते। जल का रासायनिक स्वभाव बच्चों को भी पता होता है। एक कण ऑक्सीजन का और दो कण हाइड्रोजन के और बना गया एच-टू-ओ अर्थात पानी। ये दोनों ही तत्व वायुमंडल में बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं। हमारे ब्रह्मांड का तीन-चौथाई हिस्सा हाइड्रोजन से बना है, यानी 75 प्रतिशत और ऑक्सीजन तीसरा सबसे व्यापक पदार्थ है। शुद्ध पानी की किल्लत की वजह से पानी बेचने का बाजार व्यापक रूप से फैला हुआ है। फिर सवाल उठता है कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिलाकर जल बनाने के उद्योग क्यों नहीं खुले? इसका सीधा जवाब है क्योंकि दोनों तत्वों को मिलाने भर से काम नहीं बनता। इसके लिए बहुत सारी विस्फोटक ऊर्जा चाहिए। अगर हम इतने बड़े विस्फोट करेंगे, तो उससे बहुत नुकसान होगा इसीलिए तमाम प्रयोगों के बावजूद जल उत्पादन का उद्योग खड़ा नहीं हो सका है। अंतरिक्ष में बड़े-बड़े तारों के गर्भ में इतनी ऊर्जा होती है जिसकी विज्ञानी गणना क्या, कल्पना भी नहीं कर पाते हैं। अंतरिक्ष के दैत्याकार सितारों की तुलना में हमारा सूर्य एक छोटा सा तारा है। फिर भी वह एक दिन के भीतर इतनी ऊर्जा छोड़ता है जितनी बिजली कुल दुनिया में साल भर में नहीं बनाई जा सकती। इसी तरह की ऊर्जा ने अंतरिक्ष में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को मिलाकर पानी बनाया होगा। विज्ञानियों का अनुमान है कि सौरमंडल बनने के दौरान यह पानी उल्का पिंडों पर जमी हुई बर्फ के रूप में पृथ्वी तक आया। आज जो भी पानी पृथ्वी पर है वह तभी से हमारे ग्रह पर है। जो बूंदें आज हमारे शरीर में खून के रूप में बह रही हैं, हो सकता है वही बूंदें एक समय में डायनासॉर के शरीर में भी थीं। संभवतः जल के वही कण अंटार्कटिका के हिमनद में मौजूद हैं। आपने जो पानी आज पिया होगा, उसमें घूंट भर अंतरिक्ष भी रहा होगा। ऐसे में स्पष्ट है कि अगर हम पानी बना नहीं सकते, तो फिर उसका उपयोग जिम्मेदारी से करना बेहद जरूरी हो जाता है। यह सबक हर किसी को पता था, चाहे उनके पास अंतरिक्ष से आए पानी की जानकारी न भी रही हो। पहले समय में जल स्रोतों का सम्मान होता था, लोग पानी के लिए नदी-तालाब आदि तक जाते थे और उनका इस्तेमाल करते समय कृतज्ञ रहते थे। आधुनिकता के दौर ने जल स्रोतों को पाइप के जरिए घर-घर तक पहुंचा दिया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, सोमवार
6 जुलाई, 2020

अवैध निर्माण पर चला तहसीलदार का हथौड़ा

संवाददाता

पालघर। बोईसर चिल्हार जाने वाले मुख्य रास्ते पर आदिवासी जमीन पर बने अनाधिकृत निर्माण को तोड़ दिया गया। चिल्हार रास्ते से सटे किशन लाशा सोहंग आदिवासी व्यक्ति की 5.5 एकर जमीन पर बलपूर्वक कब्जा कर अवैध गोदाम का निर्माण कर जमीन हड़प ली गयी थी। जिसकी शिकायत तहसीलदार प्रांत अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी के यहाँ सोहंग ने किया। त्वरित कार्यवाही करते हुए अनाधिकृत निर्माण को हटाने का आदेश फरवरी 2020 में मण्डल अधिकारी ने दे दिया था लेकिन

लाकडाउन की वजह कार्यवाही ठप पड़ गया। मण्डल अधिकारी मनीष वर्तक ने अवैध निर्माण को तीन जेसीबी और पुलिस बल की सहायता से अवैध अतिक्रमण को हटाने का काम पूरा किया गया। तोड़क कार्यवाही के समय कुछ लोग तोड़े जा रहे अवैध गोडाउन दुकान नही तोड़ने के लिए गिड़गिड़ाने लगे हमारा घर रोजी रोटी कैसे चलेगा लेकिन उनकी एक नही चली। अवैध निर्माण को तोड़ते वक्त लोगों की भारी-भीड़ जमा हो गयी थी लेकिन कोई भी अप्रिय घटना नही घटी। बोईसर पूर्व में मालकी जमीन का भाव काफी ज्यादा है, और लोग भी बेचने को तैयार नही है ऐसे में भू माफिया आदिवासी जमीनों को पैसा का लालच देकर ज्यादा पैसों में बेचने का गोरख धंधा जमीन के दलाल कर रहे ऐसे जमीन माफियाओं पर कार्यवाही होनी चाहिए जो इस तरह के अवैध तरीके से लोगो को फसाने का काम कर रहे। तोड़क कार्यवाही में तलाठी हितेश राऊत, संजय चुरी और पुलिस बल तैनात थे।

वलसाड के रेलवे कर्मचारी रेलवे आवास में रहने से पहले बिजली का बिल भरने के लिए मजबूर

वलसाड। रेलवे अधिकारी का फरमान यदि रेलवे आवास में रहना है तो रहने से पहले बिजली बिल का भुगतान करना पड़ेगा। अब रेलवे के कर्मचारी इस लिए अचंभित हैं कि जब वो उस आवास में रहते ही नहीं थे तो ये बिजली का बिल आया कहाँ से? बिजली का बिल पहले कैसे आया ये समझ से परे है जबकि रेलवे आवास में जो भी रेलवे कर्मचारी रहता है और जब वो रेलवे आवास खाली करता है तो उससे पूरा बिजली बिल का भुगतान करवा लिया जाता है। जब इस पूरे मामले की छानबीन की गई तो पता चला कि रेलवे आवास खाली होने के बाद कुछ महीनों के लिए खाली रहता है। इस समयावधि के दौरान मुख्य कार्य अभियंता और विद्युत विभाग के मुखिया मिलकर रेलवे कॉन्ट्रैक्टरों के पास काम करने वाले मजदूरों को उस रेलवे आवास में रहने देते हैं। इसके अलावा रेलवे आवास कॉन्ट्रैक्टरों का कार्यालय और सामान रखने के लिए गोदाम बन जाता है। कॉन्ट्रैक्टरों का काम पूरा होने पर वह बिजली का बिल भरता है या नहीं यह जांच-पड़ताल का विषय है। इसी तरह एक दो नहीं बल्कि रेलवे के कई आवासों को इस्तेमाल किया जा रहा है। बिजली का बिल भरने के लिए मजबूर रेलवे कर्मचारी राजेश चौधरी ने बताया कि मेरे रेलवे आवास संख्या 166/एल/सी में बिजली का बिल 5800 बकाया है, तो वहीं रमेश गुप्ता को आवंटित किए गए आवास संख्या 410/बी का बिजली का बिल लगभग 3200 और राजेंद्र कुमार को आवंटित आवास संख्या 105/सी का बिजली का बिल 1100 रूपया है। अब रेलवे अधिकारी इन रेलवे कर्मचारियों पर दबाव डाल रहे हैं कि बिजली बिल का भुगतान अब आपको ही करना है नहीं तो लाइट काट दी जायेगी। यह समस्या इस लिए पैदा होती है कि रेलवे आवास खाली होते ही आवंटित नहीं किए जाते हैं, जबकि हर महीने आवास आवंटित करने की मिटिंग का प्रावधान है। लेकिन आवास कमेटी के चेयरमैन और युनियन के पदाधिकारी कई महीने मिटिंग नहीं करते हैं। जिसका फायदा रेलवे अधिकारियों की मिलीभगत से कॉन्ट्रैक्टर उठाते हैं और रेलवे कर्मचारियों की रहने की समस्या पैदा होती है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

गाजियाबाद की अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

फैक्ट्री मालिक आसपास के घरों में कच्चा माल भिजवा कर पटाखे बनवाता था। घटना के बाद मौके पर पहुंचे एसपी देहात नीरज जादौन, विधायक डॉ. मंजू शिवाच और भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल को ग्रामीणों ने घेरा। ग्रामीण शवों को नहीं उठाने दे रहे थे।इसके अलावा शहीद नगर इलाके में भी एक फैक्ट्री में आग लगने की घटना सामने आई है। आग इतनी भीषण थी कि 10 दमकल की गाड़ियों ने कई घंटों बाद उस पर काबू पाया।

संजय राउत का गवर्नर पर निशाना

इससे पहले, अप्रैल में भी संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में नियुक्ति में देरी को लेकर राज्यपाल पर निशाना साधा था। बाद में, राजभवन में राज्यपाल से संजय राउत की एक 'शिष्टाचार मुलाकात' में यह मुद्दा सुलझा था। बहरहाल, अपने रविवारीय कॉलम में संजय राउत ने कहा है कि विधान परिषद के इन सदस्यों की नियुक्ति में अक्टूबर तक देरी की जा सकती है क्योंकि ऐसी अफवाहें हैं कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की सरकार तब तक नहीं टिकेगी और फिर नई सरकार इन 12 सदस्यों की नियुक्ति करेगी। शिवसेना सांसद ने कहा कि कुछ लोग महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की सरकार के गिरने के सपने देख रहे हैं। लेकिन वे जान लें कि यह गठबंधन सरकार स्थिर है। संजय राउत ने कहा कि एक तरफ विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस कह रहे हैं कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है और आंतरिक कलह के कारण यह सरकार खुद गिर जाएगी। लेकिन दूसरी ओर राजभवन महत्वपूर्ण फैसलों में देरी कर रहा है। शिवसेना नेता ने कहा कि संविधान के मुताबिक कैबिनेट के सुझाव पर राज्यपाल इन सदस्यों की नियुक्ति करते हैं। राज्यपाल साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव रखने वाले 12 प्रतिष्ठित लोगों की नियुक्ति करते हैं। संजय राउत ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में भारत में आपातकाल पर टिप्पणी की थी। इन 12 सदस्यों की नियुक्ति में देरी विधानसभा पर एक आपातकालीन स्थिति की तरह होगी। ये स्थितियां राज्यपाल और उनके संविधान के अनुरूप नहीं हैं। हालांकि बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने इन 12 सदस्यों के नाम अभी तक नहीं सुझाए हैं।

एसओपी तय किये जाने के...

यह पूरा हो जाने पर होटलों और रेस्तरां को फिर से खोले जाने पर निर्णय लिया जाएगा। राज्य में कोविड-19 के मामले चार जुलाई को बढ़ कर 2,00,064 हो गये जबकि इससे अब तक 8,671 लोगों की मौत हुई है। इस बीच, पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में होटल उद्योग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने एक डिजिटल बैठक को संबोधित करते हुए कहा, होटल उद्योग ने अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे कर्मियों को होटल और लॉज में रहने की जगह देकर (कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में) पहले दिन से ही अहम भूमिका निभाई है।

राजस्थान हलचल

कॉल गर्ल निकली कोरोना पॉजीटिव, कई साहबजादों की सांसे अटकी

राजस्थान। उदयपुर जिले में एक कॉल गर्ल कोरोनो पॉजिटिव आई है। उसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद अब कई साहबजादों की सांसे अटक गई है। दरअसल देह व्यापार में लिप्त इस युवती समेत सात युवतियों और दस अन्य युवकों को उदयपुर पुलिस ने दो दिन पहले तीन अलग–अलग जगहों से दबोचा था। लेकिन इस रेड से पहले भी युवती कई युवकों के संपर्क में थी। अब इस रिपोर्ट के बाद उन युवकों की सांसे उपर नीचे होना तय है। उदयपुर पुलिस ने बताया कि दो दिन पहले जिन 17 लोगों को पकड़ा गया था उन सभी की रिपोर्ट में एक युवती पॉजिटिव आई है। जानकारी के अनुसार उदयपुर पुलिस ने पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए तीन जगहों पर छापा मारा था। मुखबिर की सूचना को सही पाए जाने के बाद कार्रवाई का जिम्मा तीन महिला पुलिस अधिकारियों को सौपा गया था। इन पुलिस अफसरों ने सादी वर्दीधारी पुलिसकर्मियों को साथ लेकर इस रेड को अंजाम दिया। जिसमें सुखेर थाना क्षेत्र की होटल रॉयल्टी और गोगुंदा रोड पर बने होटल राम लखन पर दबिश दी तो वही गोवर्धन विलास थाना इलाके में बलीचा रोड पर बनी होटल टर्बो पर रेड डालकर युवतियां दलाल और ग्राहकों को गिरफ्तार किया। डीएसपी चेतना भाटी ने सुखेर थाने के गोगुंदा रोड पर स्थित राम लखन होटल में दबिश देकर चार लड़कियों को गिरफ्तार किया। जिनपर वेश्यावृत्ति में लिप्त होने का आरोप है। ये युवतियां दिल्ली, असम और उत्तराखंड की रहने वाली हैं। इस दौरान होटल से दो अन्य युवकों को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं डीएसपी सुधा पालावत में सुखेर थाना इलाके में ही होटल रॉयल्टी पर दबिश दी और उज्बेकिस्तान की एक युवती को पकड़ा साथ ही तीन युवकों को होटल से गिरफ्तार किया गया। तीसरी कार्रवाई डीएसपी प्रेम धणदे ने बलीचा रोड पर स्थित होटल टर्बो में की, यहां से दो युवतियों को गिरफ्तार करने के अलावा पांच अन्य लोगों को भी पकड़ा। इस होटल में शराब की बोतलें भी बड़ी तादाद में मिली ऐसे में आबकारी अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई। एक साथ तीन जगह पर पुलिस की कार्रवाई से शहर में चल रहे बड़े सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ।

जयपुर एयरपोर्ट पर सबसे बड़ी सोना तस्करी, बैटरियों से निकला 16 करोड़ का सोना, अफसर भी हैरान

संवाददाता

जयपुर। कोरोना के बाद जैसे-तैसे तो फ्लाईट्स का संचालन शुरू हुआ है और लोगों का आवागमन एक देश से दूसरे देश में होने लगा है लेकिन इस बीच जयपुर एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी ने इतिहास रच दिया है। शुक्रवार देर रात जयपुर एयरपोर्ट पर कुछ घंटों में ही दो अलग-अलग उड़ानों से सोने की तस्करी हुई है। चौदह तस्करों को दबोचा गया है और उनके पास से तीस किलो से भी ज्यादा सोना अलग-अलग तरीके से बरामद किया गया है। सोने की अनुमानित कीमत पंद्रह करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है।

कस्टम विभाग के अफसर फिलहाल इस पूरी गैंग को बेनकाब करने में लगे हुए हैं। दोपहर तक इसकी पूरी जानकारी साझा की जानी है। कस्टम विभाग के अफसरों ने बताया कि दुबई और अन्य अरब कंट्री से फ्लाईट्स का संचालन शुरू होने के साथ ही कोरोना काल में यह पहला मौका है जब किसी भी तरह की तस्करी पकडी गई है। दुबई से आए तीन यात्रियों के बारे में जानकारी मिली थी कि रात को आने वाली उडान से वे सोना ला रहे हैं। जांच की तो पता चला कि नौ किलो से ज्यादा सोने के बिस्कीट बरामद हुए हैं जो इमरजेंसी लाइट्स से में छुपाए गए थे। इन्हीं से जानकारी मिली की एक अन्य फ्लाइट से कुछ ही देर में और सोना आना वाला है। जांच की तो दूसरी फ्लाइट से ग्यारह तस्कर निकले जिन्होनें ने भी तरल और बिस्कीट के रुप में सोने को इमरजेंसी लाइट की बैटरियों में छुपाया था।

सोने का वजन करीब बीस किलो से ज्यादा है। इस तरह से दो उड़ानों से चौदह तस्करों को दबोचा गया है और इनमें पास से तीस किलो से ज्यादा सोना बरामद किया गया है। इसकी कीमत पंद्रह करोड़ से भी ज्यादा है। इनके अन्य साथियों के बारे में फिलहाल जानकारी जुटाई जा रही है। कस्टम विभाग के अफसरों का कहना है कि यह जयपुर एयरपोर्ट पर कुछ ही घंटों में पकडा गया अब तक का सबसे ज्यादा सोना है। इससे पहले इससे बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी नही पकडी गई है। सोना किसने मंगाया और सोना छुपाकर लाने के लिए इन तस्करों ने कितने रुपए लिए इस बारे में जांच की जा रही है। पुलिस की मदद भी ली जा रही है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ
बॉडीफर्स्ट को प्रमोट कर रहे हैं सुनील शेट्टी

अभिनेता और हेल्थ आइकन सुनील शेट्टी एक देसी ब्रांड के साथ आत्मनिर्भर के मिशन में शामिल हो गए हैं और न्यूट्रास्यूटिकल और वेलनेस ब्रांड, बॉडीफर्स्ट- मेड फॉर मोर के साथ स्थानीय भागीदारों के लिए 'गो वोकल फॉर लोकल' की विचारधारा से जुड़ गए हैं। देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत बॉडीफर्स्ट एक ऐसा ब्रांड है जो भारतीय परिवार के प्रत्येक सदस्य की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। लोगों के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाना महत्वपूर्ण हो गया है। सही खानपान की आदतों के साथ प्रतिरोधक क्षमता शरीर के लिए बहुत जरूरी बन गया है। बॉडीफर्स्ट का नेतृत्व गहन जांच व अनुभव के साथ सुरेश देवड़ा प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की टीम के साथ कर रहे हैं। कंपनी के संस्थापकों में से एक प्रणय जैन ने उल्लेख किया कि बॉडीफर्स्ट प्लांट प्रोटीन के साथ शुरू होने वाले, नवीन पोषक तत्वों, प्राकृतिक और आयुष थीम वाले उत्पादों को लाने पर ध्यान

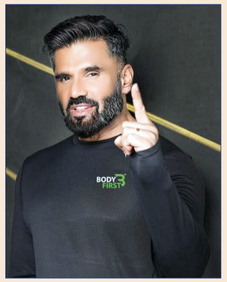

केंद्रित करेगा। मुख्य संरक्षक, रणनीतिक निदेशक और न्यूट्रास्युटिकल इंफ्लुएंसर संदीप गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य और बॉडीफर्स्ट के संबंध में शिक्षा, जागरूकता के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है, जो इस तरह की पहल का नेतृत्व करेगा। अभिनेता सुनील शेट्टी के अनुसार, बॉडीफर्स्ट एक देसी ब्रांड है, जो स्थानीय लोगों के लिए गो वोकल फॉर लोकल की विचारधारा में विश्वास करता है और हम भारत में अपने सभी उत्पादों का निर्माण करते हैं। इस पहल के साथ हमारा लक्ष्य भारत को एक उत्पाद रेंज के साथ पोषण से कुशल बनाना है जो नैदानिक रूप से अध्ययन और शोधित सामग्री के साथ तैयार किया गया है और यह परिवार में हर सदस्य की जरूरतों को पूरा करता है। बॉडीफर्स्ट वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, महिलाओं, छात्रों, कॉर्पोरेट पेशेवरों, खेल के प्रति उत्साही लोगों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करेगा। बॉडीफर्स्ट प्लांट प्रोटीन जैसे न्यूट्रास्यूटिकल और आयुष उत्पादों को लाता है जिन्हें रोजमर्रा के भोजन में जोड़ा जा सकता है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले महीनों में लगभग 50 अद्वितीय उत्पादों की एक श्रृंखला को जोड़ना है। बॉडीफर्स्ट उत्पाद सभी अग्रणी ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और जल्द ही प्रमुख खुदरा दुकानों, सुपरमार्केट, अग्रणी फार्मेसियों और देश के हर हिस्सों में उपलब्ध होगा।

आखिर आबकारी विभाग के शैलेश शिंदे क्यों मीडिया के सवालों का जवाब देने में है लाचार

संवाददाता

पालघर। आबकारी विभाग की मनमानी की वजह से हो रहा राजस्व का भारी नुकसान। लॉकडॉउन में जहाँ अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल फूल रहा था तो इसके पीछे हाथ था आबकारी विभाग के शैलेश शिदि का। लाकडाउन के समय लगभग 70 बियर बार एवं बियर शॉप की दूकानों से शराब का अवैध कारोबार को किया गया। ये वही जगह हैं जहां से लोगों को ऊँचे दामों पर शराब की बोतलों को बेचा गया। आबकारी विभाग की मिलीभगत से बोइसर, पालघर वाडा वसई में 350 वाली विदेशी शराब के क्वाटर को 1200 रुपये में और1200 के खम्बे को 4000 रुपये में बेचा गया। लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर। अपनी जेबें गरम की। महाराष्ट्र सरकार को करोड़ो रुपए राजस्व का चूना लगाकर बेखौफ आबकारी इंस्पेक्टर शैलेश शिदि खुलेआम घूम रहा।

विभाग की उदासीनता की वजह से अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई। लाकडाउन के समय मे बियर बार और बियर की दुकानों को सील करने की जो प्रक्रिया होती है वैसे नही किया गया थूक लगाकर कागज को चिपका दिया गया जिसका कुछ मतलब नही होता उसको कोई भी आसानी से हटा कर अवैध तरीके से ताला खोल सकता और कालाबाजारी आसानी से कर सकता है शिदि के काम नही कारनामे बोलते है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आबकारी इंस्पेक्टर के देशी शराब की दुकानों से हफ्ता लेने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लाकडाउन में धंधा कम होने से जहां देशी शराब मालिक अपना घर चलाने में परेशान हैं वहीं आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर शिदि जबरन पैसों की मांग कर विभाग को कलंकित करने का काम किए है उनका फोन कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज चेक किया जाए तो सच्चाई सामने आ जायेगी। आबकारी विभाग मामले की उच्चस्तरीय जांच कर अवैध शराब के कारोबारियों को नकेल कसे।

एक और फिल्म चढ़ी कट्टरपंथ की भेंट

आज पूरा विश्व धार्मिक कट्टरवाद से जूझ रहा है। ताजा मामला मुंबई स्थित वेब सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा चुके डॉन सिनेमा पर आगामी बकरीद में रिलीज की जाने वाली फिल्म मुहम्मद- मैसेंजर ऑफ गॉड जिसका निर्देशन हिंदी इंग्लिश और ईरानियन फिल्मों के प्रसिद्ध निर्देशक माजिद मजीदी ने किया है। डॉन सिनेमा के संस्थापक श्री महमूद अली ने बताया कि 'मुहम्मद मैसेंजर ऑफ गॉड' का ट्रेलर जारी कर दिया गया था जिसके बाद तथाकथित धार्मिक ठेकेदार उद्वेलित हो गए। और कोई रजा अकेडमी नामक संस्था के लोग डॉन सिनेमा के अंधेरी (प) स्थित कार्यालय पर आ गए और महमूद अली के ऊपर फिल्म न रिलीज करने का दबाव बनाने लगे बात न मानने पर अंजाम भुगतने की धमकी दे रहे थे। साथ में एक पत्र भी दे गए हैं जिसमें लिखा है कि ये फिल्म निंदात्मक है। और मुहम्मद साहब पर फिल्म बनाने का किसी को अधिकार नहीं। हालांकि महमूद अली ने इन सब बातों से पुलिस प्रशासन को अवगत करा दिया है तथा अपने लिए

सुरक्षा की भी मांग की है। श्री महमूद अली ने बताया कि ये एक ईरानियन फिल्म है जिसका बजट लगभग 300 करोड़ रुपये है। डॉन सिनेमा पर और भी कई अच्छी फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने वाली थीं परंतु लॉक डाउन के कारण उसमें देरी हो रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने दी पतंजलि को चेतावनी
कोरोना दवा पर अफवाई फैलाई तो होगी कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बाबा रामदेव को चेतावनी देते हुए कहा है कि पतंजलि की दवा से कोरोना बीमारी ठीक नहीं होती है। महाराष्ट्र में अगर नागरिकों को गुमराह किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री डॉ राजेंद्र शिंगणे ने बताया कि बाजार में पतंजलि द्वारा लाई गई कोरोना की दवा से कोरोना ठीक नहीं होता है। पतंजलि इस बात का ध्यान रखें और लोगों के बीच में यह अफवाह ना फैलाएं कि इस दवा से कोरोना ठीक होता है। अफवाह फैलाने पर महाराष्ट्र सरकार पतंजलि पर कठोर कार्रवाई करेगी।

जादू-टोना के तहत होगा ऐक्शन

मंत्री ने बताया कि पतंजलि अगर राज्य में कहीं भी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाई गई तो उसके खिलाफ जादू और टोना(आपत्तिजनक विज्ञापन) कानून 1954 के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'जनता को गुमराह कर रही है पतंजलि'

डॉ राजेंद्र शिंगणे का कहना है कि इस दवा से कोरोना ठीक होता है, इस प्रकार की अफवाह जनता के बीच फैल रही है। हकीकत में पतंजलि द्वारा बनाई गई कोरोनिल दवा अश्वगंधा, तुलसी और अन्य जड़ी बूटी से मिलकर बनाई गई है। कोरोनिल टेबलेट का उपयोग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए होता है, कोरोना ठीक करने के लिए नहीं। आयुष मंत्रालय ने भी इसे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के वाली दवा के रूप में इस्तेमाल करने की इजाजत दी है।

'कोरोनिल (कोरोना+निल) नाम से लोग गुमराह'

मंत्री राजेंद्र शिंगणे ने जनता से भी अपील की है कि वे इस दवा का इस्तेमाल सिर्फ रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने के लिए करें। इस दवा से कोरोना ठीक नहीं हो सकता। इस बात का ध्यान रखें इस दवा कोरोनिल (कोरोना+निल) का नाम लोगों में भ्रम फैलाने के लिए ही रखा गया था, ताकि लोग यह समझे कि इस दवा से कोरोना बीमारी खत्म हो जाती है।

गृह मंत्री भी दे चुके है चेतावनी: इससे पहले महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख भी पतंजलि को चेतावनी दे चुके हैं। बाबा रामदेव ने जब इस दवा को लेकर के प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी उसके बाद से ही यह विवाद उठ खड़ा हुआ था। खुद केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने इस दवा पर सवालिया निशान खड़े किए थे। ऐसे में अनिल देशमुख ने कहा था कि जब तक आयुष मंत्रालय की तरफ से मंजूरी नहीं मिल जाती तबतक किसी भी प्रकार का विज्ञापन या दवा बेचने का काम महाराष्ट्र में पतंजलि नहीं कर सकती है। अगर ऐसा किया गया तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुशांत सिंह सुसाइड केस

अब टेन्सिल टेस्ट होगा

जांच होगी कि जिस कपड़े का फंदा बनाया, वह सुशांत का वजन उठा सकता था या नही

संवाददाता

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े केस में अब तक जो भी रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उसमें उनके आत्महत्या करने की पुष्टि हुई है। अब पुलिस ने उस कपड़े को जांच के लिए भेजा है, जिससे सुशांत ने फंदा बनाकर आत्महत्या की थी। कपड़े का टेन्सिल टेस्ट होगा ताकि यह पता चल सके कि कपड़ा सुशांत के शरीर का वजन उठाने लायक था या नहीं।

हरे नाइटगाउन से लगाया था फंदा

पुलिस सूत्रों के अनुसार सुशांत के घर से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला था। सुशांत ने 14 जून को अपने घर की सीलिंग में फंदा लगाकर जान दे दी थी। फंदा बनाने के लिए उन्होंने कॉटन से बने नाइटगाउन का इस्तेमाल किया था। सुशांत की मौत के बाद पुलिस जांच के दौरान स्पॉट से वायरल हुए वीडियोज में यह हरा नाइटगाउन दिखाई दिया था।

3 दिन में आएगी रिपोर्ट

खबर के मुताबिक पुलिस ने यह नाइटगाउन कैमिकल और फॉरेन्सिक जांच के लिए फॉरेन्सिक साइंस लेबोरेट्री कलिना में भेजा है। कपड़े की टेन्सिल टेस्ट की रिपोर्ट सोमवार तक आ सकती है। पुलिस ने बताया कि मौत की सही वजह का पता लगाने के लिए, फॉरेंसिक विशेषज्ञ सुशांत के गले के आसपास फंदा डालने से बने निशानों की जांच करेंगे।

क्या होता है टेन्सिल टेस्ट

टेन्सिल टेस्ट के तहत किसी भी पदार्थ की भार सह सकने की क्षमता को मापा जाता है। यानी कोई पदार्थ बिना टूटे कितना भार उठा सकता है। सुशांत का वजन करीब 80 किलो था। सुशांत के मोबाइल फोन की फॉरेन्सिक रिपोर्ट आना भी बाकी है। हालांकि, एफएसएल से रिपोर्ट आने में 8 से 10 दिन लगते हैं। यह मामला संवेदनशील है इसलिए एक्सपर्ट अपनी जांच में किसी भी तरह की गलती नहीं करना चाहते हैं।

दै. मुंबई हलचल की खबर का असर

मुंबई में आवाजाही के लिए 2 किलोमीटर के दायरे की पाबंदी हटी

संवाददाता

मुंबई। महानगर में आवाजाही के लिए 2 किलोमीटर के दायरे की पाबंदी हटा ली गई है। मुंबई शहर और मुंबई उपनगर के पालक मंत्रियों असलम शेख और आदित्य ठाकरे को राज्य सरकार ने मुंबई के लिए बिना किसी कन्फ्यूजन वाली स्पष्ट गाइडलाइंस तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों मंत्री आपस में सलाह करके अगले 2 दिनों में मुंबई के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस निर्धारित करेंगे और सरकार उसका नोटिफिकेशन जारी करेगी। शनिवार को मुख्यमंत्री के साथ दोनों पालक मंत्रियों और मुंबई महानगर पालिका तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में यह फैसला किया गया।

सरकार की चाहत न रहे कोई कन्फ्यूजन

बैठक के बाद मुंबई शहर के पालक मंत्री असलम शेख ने बताया, कोरोना महामारी के दौरान कई बार गाइडलाइंस बनाई गई हैं। कोई कन्फ्यूजन न रहे, इसके लिए मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में लागू होने वाले नियमों, शर्तों, पाबंदियों और रियायतों के बारे में साफ-सुथरी गाइडलाइंस जारी किए जाने की जरूरत सरकार ने महसूस की है।

2 किलोमीटर के दायरे में खरीदारी का आदेश होगा संशोधित

असलम शेख ने कहा, नई गाइडलाइंस में यातायात, सार्वजनिक परिवहन, दुकानों के खुलने और बंद होने के बारे में सब कुछ साफ निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2 किलोमीटर के दायरे में खरीदारी करने का जो आदेश पिछले दिनों पुलिस ने जारी किया था, उसे भी संशोधित करने का फैसला किया गया है।

दै. मुंबई हलचल ने अपने खबर के जरिए 2 किलोमीटर के दायरे वाली पाबंदी को महाराष्ट्र सरकार से हटाने की मांग की थी. महाराष्ट्र सरकार ने अब इस मांग को पूरा करते हुए 2 किलोमीटर के दायरे की पाबंदी को हटा लिया है.

दै. मुंबई हलचल द्वारा 2 किलोमीटर के दायरे की पाबंदी को हटाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को लिखी गई खबर की प्रति

दैनिक मुंबई हलचल
Email: mumbaihalchal@gmail.com 9821238815

मुख्यमंत्री से जनता की अपील

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जी से जनता ने अपील की है कि सरकार ने जो 2 किलोमीटर का निर्णय लिया है यह निर्णय बहुत ही गलत है. इस निर्णय की वजह से जनता को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. जब से यह निर्णय लिया गया है तब से अभी तक बहुत सारी गाड़ियों पर कर्रवाई की गई है. लोग जब पुलिसवालों से पूंछते हैं कि गाड़ी कब तक मिलेगी तो कोई कहता है 15 दिन बाद तो कोई कहता है 20 दिन बाद मिलेगी. जनता का कहना है कि 2 किलोमीटर से ज्यादा लोग वांक करने जाते हैं तो 2 किलोमीटर का निर्णय से जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जनता ने सरकार से निवेदन किया है कि या तो 2 किलोमीटर के दायरे को बढ़ाया जाये या फिर मुंबई में पूरा लॉकडाउन लागू कर दिया जाये, पूरा लॉकडाउन से जनता कम से कम घरों में तो रहेगी. जनता ने सरकार से इस पर जल्द से जल्द निर्णय लेने की अपील की है.

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर विधायक ने धुरलख हाई स्कूल में 07 लाख 86 हजार रुपये की लागत से बने कमरे का उदघाटन किया

संवाददाता

समस्तीपुर। क्षेत्रीय विकास योजना से निर्मित कमरा का उद्घाटन स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने फीता काट कर व नारियल फोड़ कर किया। विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि उनके प्रयास से समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र समृध्दि की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचने के लिए कृत्य संकल्पित हूँ। इस दौरान विधायक ने कहा कि विगत 09 वर्षो से अब तक समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र का चतुर्दिक विकास हुआ है। दलित, महादलित, अल्पसंख्यक, अत्यंत पिछड़ा, पिछड़ा, सवर्णों के बीच समावेशी विकास करने का काम किया गया है। समस्तीपुर विधानसभा

क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, जैसे मूलभूत समस्याओं का चहुमुंखी विकास धरातल पर दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि समस्तीपुर विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन जी क्षेत्र के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। विकास के प्रति उनकी गंभीरता किसी से छुपी नही है। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र की चहुमुखी विकास स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन जी की पहली प्राथमिकता है। माननीय विधायक का प्रयास है कि गांवो को भी सभी शहरी सुविधाओं से लैस किया जाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी शाहनवाज हसीब तथा संचालन जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने की। मौके पर समाजसेवी शिव शंकर राय, मो. शाहनवाज हसीब, जिला राजद नेता राकेश यादव, राजद महिला सेल की जिलाध्यक्ष पिंकी राय, समाजसेवी श्रीनाथ ठाकुर, बालेश्वर प्रसाद यादव, संजय पासवान, मोहम्मद फैयाज, बैजू राय, परमेश्वर प्रसाद, श्याम नंदन प्रसाद, चुन्नू बरियार, अब्दुल खालिक, महफूज आलम तथा दर्जनों ग्रामीण भी मौजूद थे।

समस्तीपुर डीपीओ का निधन, अपूर्णीय क्षति

समस्तीपुर। माध्यमिक शिक्षा एवं साक्षरता कार्यालय पर निवर्तमान डीपीओ सुनील कुमार तिवारी के निधन पर शोक सभा आयोजित कर दो मिनट मौन धारण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि दी गयी। प्रधान लिपिक राकेश कुमार दुबे ने कहा कि निवर्तमान डीपीओ कोरोना वायरस की चपेट में आने के कारण महिनों भर उनका ईलाज चल रहा था। उनका निधन पुरे शिक्षा विभाग के लिए अपूर्णीय क्षति है। केआरपी देव कुमार ने कहा कि निवर्तमान डीपीओ का असमय जाना हृदय को झकझोरने वाला पल है। सरल, विनीत, मधुरभाषी, प्रसन्नचित्त रहना ये सभी गुण उनमें था।

ऐसे व्यक्तित्व के लोग मिलना बहुत ही दुर्लभ होता है। इस दुःख की घड़ी में उपस्थित एसआरजी मधुरेन्द्र दत्त शर्मा, प्रधान लिपिक राकेश कुमार दुबे, लिपिक चन्द्र भूषण प्रसाद, विरेंद्र कुमार, सुशील कुमार सिंहा, महेश दास, रजनीश कुमार, अजित कुमार सिंह, लाल बहादुर राय, केआरपी देव कुमार, रमेश कुमार, शिक्षा सेवक विनोद कुमार, अनिल कुमार महतो, कैलाश रजक, चंदन कुमार, रामवृक्ष सदा, नरेश रजक आदि ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिवार को सहन शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना किया।

जन्मदिन पर पौधा रोपण किया

संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के दूधपुरा पंचायत के प्रगति आदर्श सेवा केंद्र के कार्यालय परिसर में संजना संकल्प फाउंडेशन की युवा सचिव सुश्री संजू शर्मा के 24 वे जन्म दिवस पर 24 महोगनी आम और सागवान के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र के सचिव सुरेंद्र कुमार,जिला एनजीओ संघ के सचिव संजय कुमार बब्लू, ग्रामीण समाज कल्याण संस्थान के सचिव रवि रंजन भारद्वाज, आशा सेवा संस्थान के सचिव अमित कुमार वर्मा, इडेन वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव बृज किशोर कुमार, दधीचि सेवा संस्थान के सचिव डॉ0 हरिशंकर झा, चाईल्ड लाईन की समन्वयक माला कुमारी, शिक्षाविद सह पूर्व प्रधानाध्यापिका वीणा कुमारी, सिया शरण शर्मा, राम दयाल दास, कम्युनिस्ट नेता नवल किशोर तिवारी, प्रभा तिवारी, संजना संकल्प फाउंडेशन के केशव कुमार आदि लोगों ने जन्मदिन के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए इस प्रकार के कार्यों की सराहना किया।

लोजपा संस्थापक रामबिलास पासवान का जन्मदिन मनाया गया

समस्तीपुर। लोजपा नगर कार्यालय पर रामबाबू चौक समस्तीपुर में लोजपा संस्थापक सह केंद्रीय मंत्री माननीय श्री रामविलास पासवान जी का जन्मदिन लोजपा नगर अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा जी के अध्यक्षता में लोजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र प्रधान जी के द्वारा अपने पूरे लोजपा कार्यकर्ता साथियों के साथ हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन को मनाया। कार्यक्रम के मौके पर

समस्तीपुर लोजपा कार्यकर्ताओं ने भारत चीन के लड़ाई में शहीदों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके सम्मान में और आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। इस कार्यक्रम के मौके पर लोजपा नगर अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा,लोजपा वरिष्ठ नेता महेंद्र प्रधान,युवा जिला अध्यक्ष रविशंकर सिंह, जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुशवाहा, दलित सेना जिला अध्यक्ष राज किशोर हजारी,युवा नेता राजा पासवान, आईटी सेल जिला अध्यक्ष राजीव कुमार, मधुबाला सिन्हा, रीता पासवान, बंटी जैस्वाल, युवा जिला उपाध्यक्ष राजेश झा,सुशांत झा, अरुण पासवान, रौशन पौदार, लालटून यादव, चंदन यादव, आनंद कुमार आयुष कुमार सहित कई लोजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दलित छात्रा ज्योति की रेप-हत्या से मिथिलांचल हुआ शर्मशार: बंदना सिंह

समस्तीपुर। हायाघाट प्रखंड में दलित ज्योति कुमारी, उम्र- 14 वर्ष, कक्षा नौवीं की छात्रा की ब्लात्कार के बाद हत्याकांड ने पूरे मिथिलांचल को शर्मशार कर दिया है। इस शर्मिंदगी को दूर करने के लिए हम सब को मिलकर सांझा संघर्ष के जरीये हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा दिलाना है।इसमें ऐपवा अग्रीम पंक्ति में खड़ी रहेगी। ये बातें रविवार को ऐपवा जिलाध्यक्ष बंदना सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है। विदित हो कि दरभंगा जिला के हायाघाट प्रखंड के ज्योति कुमारी शनिवार की सुबह

उठकर तीन लड़की के साथ खेत की तरफ शौच के लिए जा रही थी। इसी दौरान ज्योति को पकड़कर बलात्कार करके हत्या कर दिया गया। वापस लौटकर आई लड़की की माँ के पूछने के वाद वे बताई कि ज्योति फौजी के यहाँ है। वहाँ जाने पर अर्जून मिश्र साफ इंकार करने लगा कि ज्योति यहाँ है। लड़कियों की निशानदेही के बाद अर्जून मिश्र के कैम्पस के पीछे तलाशने पर ज्योति का लाश आम के पेड के नीचे भिंडी के पौधे एवं जखीरा की लत्ती से ढका मिला। कई-कई बार थाने को फोन करने पर पुलिस आई तो पीड़ीत को डाटने लगा। गाँव के लोगों के प्रतिवाद के बाद मुकदमा दर्ज करके लाश को पीड़ित परिवार को न देकर प्रशासन ने जला दिया। इसका विरोध करने पर रात में पतोर ओपी के अधयक्ष के आदेश पर दर्जनो. महिलाओं, विकलांग को लाठी मार कर घायल कर दिया गया और हत्यारे को सुरक्षित रखते हुए पीड़ित परिवार पर झूठा मुकदमा करके तबाह, परेशान किया जाने लगा। इस घटना में थानाध्यक्ष की भूमिका संदेहास्पद है।थाने के अध्यक्ष आरोपियों को बचाने मे.लगी है। ऐपवा नेत्री ने कहा कि हत्या-ब्लात्कार को दवाने का षडयंत्र रची जा रही हैं। भाजपा-जदयू काण्ड को दबाने में लगी है। ऐपवा ने काण्ड का पर्दाफाश कर दोषियों पर कारबाई की मांग की है अन्यथा आंदोलन की राह पकड़ने की चेतावनी दी है।

रामपुर हलचल

31 जुलाई तक शिक्षण संस्थान बंद रहने के आदेश के बाद भी बेसिक शिक्षा विभाग शिक्षकों से करा रहा है काम

टाण्डा (रामपुर)। मुख्य सचिव उ० प्र० सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया हैं कि सभी शिक्षण संस्थान 31 जुलाई 2020 तक के बन्द करने के आदेश जारी किये गये हैं तथा कार्यरत कर्मचारियों को घर में रह कर व आन लाइन कार्य करने के आदेश दिये गये हैं आदेशों में यह भी कहा गया हैं कि 65 वर्ष से अधिक आयु वाले गंभीर रोगों से ग्रस्त व्यक्ति व गर्भवती महिलाएं एवं 10 वर्ष के बच्चों को घर के अन्दर रहने के आदेश जारी कारी जनपदों जिला वेसिक शिक्षा अधिकारीयों द्वारा जारी आदेशों को ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया हैं वेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकाँश शिक्षक/शिक्षा का तथा उनके बच्चें प्रभावित होंगे इन सभी को स्कूल जाना पड़ रहा हैं विभाग का कोई भी कार्य लम्बित नहीं है अधिकाँश शिक्षक रेलवे एवं क्वारनटाइन सेन्टरों पर विभागीय आदेश के ही अन्तर्गत डयूटी निभा रहे हैं उनको भी जारी आदेशों में समाहित किया गया हैं। गृह मंत्रालय भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार द्वारा जारी आदेश गाइड लाइन का पालन करते हुए प्रदेश के बेसिक स्कूलों को 31 जुलाई 2020 तक बन्दी करने के आदेश निर्गत किये जाने की मांग उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ उ०प्र० को भी प्रतिलिपि प्रेषित की गई है डा० राजवीर सिंह जिलाध्यक्ष, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ रामपुर, नफासत अली, अजीजुल हसन, तबस्सुम, शबाना, उषा रानी, सर्वेश कुमार आदि मोजूद रहें।

नगर के अंदर अतिक्रमण का भरमार

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अन्दर अतिक्रमण की भरमार के चलते नाले एवं नालियों पर मकान आदि बनाकर अतिक्रमण के चलते उनको बन्द कर दिया गया है जो सफाई व्यवस्था सुचारू रखे जाने में बाधक हे बरसात के चलते बरसात का पानी कई मोहल्लो को अबरुद कर देता हे आज शनिवार की दोपहर नगर पालिका परिषद व उपजिला अधिकारी गोरव कुमार व अन्य सफाई कर्मचारियों की मदद से नाले पर अतिक्रमण को साफ कर दिया गया हैं। इस मोके पर उपजिलाधिकारी गौरव कुमार, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, माधो सिंह बिष्ट व पुलिस कर्मी एवं सफाई कर्मी मोजूद रहें।

मकसूद लाला ने लगाए पौधे

टाण्डा (रामपुर)। पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला ने नगर के अन्दर ईदगाह रोड, ठन्डी सड़क, कब्रिस्तान, मोती नगर, गोशाला पोधे लगाए कहा कि पेड़ों का होना हमारे लिए बहुत ही आवश्यक है पेड़ों से हमें हरियाली एवं खुशहाली व आक्सीजन प्राप्त होती है जितना हो सके हरियाली को बढ़ावा देना चाहिये इसी के साथ साथ पोधों को देख भाल करना भी जरूरी है हर पोधे की देखभाल करना भी हमारा कर्तव्य है पोधों की देखभाल कम से कम तीन साल तक करनी चाहिए, पेड़ आक्सीजन छोड़ते है एवं पर्यावरण को शुध्द रखते हैं पेड़ों से भूगर्भ जल बढ़ता है पेड़ों से हमें ओषधियाँ प्राप्त होती हैं पेड़ मिटटी के कटान को भी रोकते हैं इसी के साथ साथ पर्यावरण से लोगों में जागरूकता का होना भी बेहद जरूरी है इस मोके पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, जे ई साहब, धनीराम सैनी, पप्पू, अहतराम, नरेश, दिनेश, सुदेश, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

28 वर्षीय व्यक्ति की अचानक मौत

टाण्डा (रामपुर)। कोतवाली अन्तर्गत ग्राम पंचायत दढ़ियाल निवासी मो० ईशा 28 वर्षीय बुधवार की दोपहर में अचानक मोत हो गई, मोत किस कारण हुई उसका खुलासा अभी तक नहीं हो सका हैं ईशा की मोत से सम्बंधित बहिन शहनाज परवीन उर्फ शान की तरफ से उचित कार्यवाही हेतु एक प्रार्थना पत्र चोकी इन्चार्ज को दढ़ियाल को प्रस्तुत किया गया हैं, जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई अमल में नही लाई जा सकी हैं। दढ़ियाल मुस्तहकम निवासी मो० ईशा उम्र 28 वर्षीय बुधवार की दोपहर खाना खाने के बाद सही हालत के चलते अपने घर के अन्दर आराम कर रहा था पत्नि मेहताब जहाँ अपने कार्य में व्यस्त थी ईशा की मोत को लेकर दढ़ियाल वासियों द्वारा तरह तरह की चचार्ये की जा रही हैं आनन फानन में मो० ईशा का दफन दढ़ियाल कब्रिस्तान में कर दिया गया दिनाकं 03/07/2020 को ईशा की बहिन द्वारा एक प्रार्थना पत्र उचित कार्यवाही करने के उददेशय से चोकी प्रभारी राजीव चौधरी को दिया गया हैं जिसमें मो० ईशा की मोत का कारण जानने व किन कारणों के तहत हत्यां की गई है इसी को लेकर नामजद रिपोर्ट दर्ज कराये जाने व दोषियों के विरुध्द पोस्टमार्टम उपरान्त कड़ी एवं कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग की गई हैं पुलिस द्वारा मोत के कारणों का खुलासा काफी समय से बीते जाने के बाद भी नहीं कर सकी मो० ईशा की मोत को लेकर काफी हलचल मची हुई हैं पुलिस द्वारा म्रतक की बहिन को पोस्टमार्टम कराये जाने का आश्वासन दे दिया गया हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैमिकल दवाइयां करेंगी सेहत खराब, इन घरेलू चीजों से मच्छरों को रखें दूर

बरसात का मौसम आते ही मच्छरों का आंतक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इनके काटने से डेंगू, मरेलियां जैसे बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है। मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लोग कई तरह की कैमिक्ल युक्त दवाइयों को अपने शरीर पर लगाते हैं। इनसे सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने लगता हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू चीजों का मिश्रण बनाकर लगा सकते हैं। इन चीजों को मिलाकर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे। दूसरा इनका कोई साइड-इफैक्ट भी नहीं होगा।

तो आइए जानते हैं वह कौन सी होममेड चीजें है जो मच्छरों को आपके पास नहीं आने देगा।

1. लौंग और नारियल तेल
मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लौंग और नारियल तेल मिक्स करके अपने शरीर पर लगाएं। ऐसा करने से एक भी मच्छर आपके करीब नही आएगा क्योंकि मच्छरों को इसकी स्मैल बिल्कुल भी पसंद नहीं आती।

2. नारियल तेल
नीम और नारियल तेल को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को शरीर पर लगाएं। इसको लगाने से मच्छर कम से कम 8 घंटे तक आपके पास नहीं आएंगे।

3. नींबू
नींबू और नीलगिरी भी मच्छरों को हमारे आस-पास नहीं आने देता। एक बर्तन में बराबर मात्रा में नींबू का रस और नीलगिरी मिलाकर एक मिश्रण तैयार कर लें। इसको घर से बाहर निकलते समय या फिर रात को अपने शरीर पर लगा लें।

4. लहसुन
लहसुन की बदबू भी मच्छरों को बिल्कुल पसंद नही होती। लहसुन को पीसकर पानी में उबाल लें। अगर आपको इसकी बदबू से कोई परेशानी ना हो तो आप इसको अपने ऊपर स्प्रे भी कर सकते हैं।

5. नीम का तेल
मच्छर बाहर भगाने के लिए नीम का तेल घर के आसपास छिड़क दें। आप चाहें को इसको अपने शरीर पर भी लगा सकते हैं। इससे मच्छर भाग जाएंगे।

6. पुदीना
पुदीना भी मच्छरों को आपके आस-पास नहीं आने देता। पुदीने को पीसकर इसका रस निकाल लें। इसे शरीर पर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे।

अच्छे शौक से नहीं बनेंगे बुढ़ापे में भुलक्कड़, डिमेंशिया का खतरा भी होगा कम

अगर आप बुढ़ापे में भूलने की बीमारी से परेशान होना नहीं चाहते तो अभी से ही कुछ अच्छे शौक पालना शुरू कर दीजिए। वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया है कि जवानी में किताबें पढ़ना, खेलना और आपसी मेलजोल की आदतों से बुढ़ापे में भी दिमाग शक्तिशाली बना रहता है। इससे डिमेंशिया का जोखिम भी कम होता है। ब्रिटेन के कैमिब्रज विश्वविद्यालय के अध्धययन में पाया गया कि उम्र के साथ-साथ दिमाग का आकार भी छोटा होता जाता है लेकिन कुछ लोगों की स्मरण शक्ति और आईक्यू उम्र बढ़ने के बावजूद भी अच्छी बनी रहती है। शोधकत्ताओं का मानना है कि युवावस्था में दिमाग को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने से वह आगे भी लचीला बना रहता है। 'न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एजिंग जर्नल' में प्रकाशित इस अध्ययन से जुड़े डॉक्टर डेनिस चान का कहना है कि हमारा दिमाग कुछ हार्डवेयर के साथ ही शुरूआत करता है लेकिन इसे ज्यादा अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। इसे संज्ञानात्मक रिजर्व कहा जाता है। उनका कहना है कि 35 से 65 साल क बीच आप जो कुछ भी करते हैं, उससे 65 की उम्र के बाद डिमेंशिया का खतरा कम या ज्यादा होता है। शोधकताओं ने 66 से 88 साल की उम्र मके 205 लोगों के दिमाग का एम.आर.आई किया।

वैक्सिंग के दर्द को कम करने के लिए अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

शरीर के अनचाहे बालों से निजात पाने के लिए लड़कियां समय-समय पर वैक्सिंग का सहारा लेती है जो काफी मशहूर ट्रीटमेंट है। वैक्सिंग से न केवल अनचाहे बाल बल्कि डेड स्किन व टैनिंग भी निकल जाती है। अधिकतर लड़कियां वैक्सिंग के दौरान होने वाले दर्द के चलते इस ट्रीटमेंट को करवाने से बचती है। जब किसी पार्टी में शॉर्ट ड्रैस या कट स्लीव्स वाली ड्रैस पहननी हो तो अक्सर शर्मिंदी का सामना करना पड़ जाता है। अगर आप भी दर्द से बचने के लिए वैक्सिंग करवाने से बचती है तो परेशान न हो। आज हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताएंगे जिससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।

1. वैक्सिंग करवाने से पहले गुनगुने पानी से नहाएं। इससे स्किन पर मौजूद बाल सॉफ्ट और स्किन के पोर्स खुल जाएंगे। शॉवर लेने के बाद वैक्सिंग करने से दर्द भी कम होगा।
2. वैक्सिंग के बाद हमेशा साफ व लूज फिटिंग वाले कपड़े पहनने। ध्यान रखें कि कपड़े हमेशा कॉटन के हो क्योंकि इससे जलन कम होगी और वैक्सिंग स्किन फ्रेश रहेगी।
3. हमेशा वैक्सिंग लगाने के बाद वैक्स स्ट्राइप को बालों की ग्रोथ के विपरीत खींचे इससे दर्द कम होगा।
4. सुनने में थोड़ा अजीब है लेकिन वैक्सिंग करवाते समय हमेशा छोटी-छोटी सांसे लें। इससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
5. वैक्सिंग से पहले अपनी डेड स्किन को स्क्रबिंग के जरिए निकालें। इससे स्किन एक्सफोलिए होगी और वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
6. वैक्सिंग के दर्द से बचना चाहते है तो पहले बॉडी को अच्छे से स्ट्रेच करें। इससे वैक्स के दौरान दर्द कम होगा।
7. अक्सर महिलाएं वैक्स करवाने से पहले कॉफी व एल्कोहल लेने की गलती कर देती है जो बिल्कुल गलत है। दरअसल, इन्हें पीने से स्किन ज्यादा सेंसटिव हो जाती है और दर्द ज्यादा होता हैं।
8. कई बार क्या होती है कि महिलाएं वैक्सिंग के बजाए शेविंग का सहारा लेती है। बाद में वैक्सिंग करवाने से दर्द ज्यादा होता है।
9. शरीर के सेंसटिव हिस्से जैसे पलकों, नाक व आईब्रो पर वैक्स न करें क्योंकि यहां की स्किन काफी संवेदनशील होती है जिस वजह से दर्द अधिक होता है।
10. बॉडी के जिस हिस्से पर चोट और सनबर्न या रूखी त्वचा हो तो वहां वैक्स न ही करवाए तो अच्छा है क्योंकि इससे जलन हो सकती है।
11. कभी भी पहले हॉट वैक्स का इस्तेमाल स्किन पर न करें। वैक्स को थोड़ा घंटा होने दें। फिर इसको बॉडी वैक्स के लिए यूज करें क्योंकि इससे स्किन जल भी सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फिल्मों की नाकामी से दुखी अरशद वारसी

एक्टर अरशद वारसी का बॉलीवुड करियर 24 साल से ज्यादा का हो गया है। एक्टर ने अगर शुरूआत में कुछ इंटेंस रोल निभाए तो वहीं बाद में उन्होंने खुद को कॉमेडी जॉनर में ढाला। लेकिन इस सब के बावजूद भी अरशद वारसी को वो सफलता नहीं मिली जिसकी वो उम्मीद लगाए बैठे थे। अब ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि खुद अरशद वारसी को ऐसा लगने लगा है। अरशद वारसी की फिल्म गुड्डू रंगीला के 5 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर ट्रेड एनालिस्ट जोगिंदर टुटेजा ने एक ट्वीट कर हैरानी जताई है कि ये फिल्म हिट क्यों नहीं हो पाई। वो लिखते हैं- मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि इस एक्शन कॉमेडी फिल्म को वो प्यार क्यों नहीं मिला। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया परफॉर्म करना चाहिए था। ये एक अलग कॉन्सेप्ट था जिसे कमर्शियल स्टाइल में बनाया गया था। फिल्म का क्लाइमेक्स तो आज भी जेहन में ताजा है। अब जोगिंदर के इसी ट्वीट पर अरशद वारसी ने अपना दुख व्यक्त किया है। वो जोगिंदर को जवाब देते हुए लिखते हैं- मैं भी बिल्कुल ऐसा ही सोचता हूं। मुझे तो ऐसा लगता है कि मैं कितनी भी अच्छी फिल्म बना लूं, वो बॉक्स ऑफिस के लिए कम पड़ जाती है। सोशल मीडिया पर अरशद वारसी का ये ट्वीट वायरल हो रहा है। फैन्स अरशद का ये बयान देख हैरान हैं। वो अरशद की बात से सहमत नहीं हैं और उन्हें एक कमाल का कलाकार बता रहे हैं।

नेपोटिज्म को लेकर तापसी पर भड़कीं कंगना

बॉलीवुड में नेपोटिज्म की डिबेट शुरू करने का क्रेडिट कंगना रनौत को जाता है, जिन्होंने कई मौकों पर बॉलीवुड के एक तबके को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कई स्टार किड्स पर आरोप लगाए हैं। इस बीच अब सोशल मीडिया पर कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर तापसी पर निशाना साधा है। कंगना ने एक ट्वीट कर तापसी पर बड़ा आरोप लगाया है। कंगना के ऑफिसियल ट्विटर अकाउंट से किए गए ट्वीट में कहा गया- कई ऐसे चापलूस हैं जो कंगना की पहल को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें बस मूवी माफिया की किताब में अच्छा बना रहना है। कंगना की बुराई करने पर इन्हें अवॉर्ड मिलते हैं। ये लोग महिलाओं को प्रताड़ित भी करते हैं। तुम्हें शर्म आनी चाहिए तापसी, तुम कंगना के स्ट्रगल का फायदा उठाकर उसके खिलाफ खड़ी हो। अब कंगना के इस वार पर तापसी ने सीधा तो कुछ नहीं बोला है। लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए उन पर निशाना जरूर साधा है। बिना नाम लिए तापसी ने बड़ी बात कह दी है। तापसी लिखती हैं- मैंने अपनी जिंदगी में कई चीजें सीखी हैं, कुछ महीनों में तो ज्यादा ही समझा है। इससे मैं जिंदगी को सही नजरिए से देख पाई हूं। तापसी ने तो कोट शेयर करते हुए बताया है कि उन लोगों पर ध्यान नहीं देना चाहिए जो नकारात्मकता फैलाते हैं। वहीं एक और कोट के जरिए तापसी ने संदेश दिया है कि बुरे लोगों के साथ बुरा व्यवहार ना करें बल्कि उनके लिए प्राथना करें जिससे वो जिंदगी में थोड़े समझदार हो सकें।

छोटे पर्दे पर डेब्यू करने को तैयार एक्ट्रेस ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल बहुत जल्द छोटे पर्दे पर नजर आने वाली हैं। खबरों के मुताबिक ईशा देओल स्टार भारत के पौराणिक सीरियल 'जग जननी मां वैष्णो देवी' के साथ टीवी पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। सीरियल 'जग जननी मां वैष्णो देवी' में ईशा देओल, वैष्णवी की मां रानी समृद्धि देवी के किरदार में नजर आएंगी। सूत्रों के मुताबिक ईशा देओल एक-दो दिन में सीरियल के कॉन्ट्रैक्ट पेपर्स भी साइन कर देंगी और जल्द ही परिधि शर्मा के साथ शूट शुरू कर देंगी। वैसे बता दें की इससे पहले रानी समृद्धि देवी का किरदार तोरल रासपुत्रा निभा रही थीं। हालांकि तोरल ने लॉकडाउन लगने से पहले ही इस सीरियल को छोड़ने का मन बना लिया था और अब लॉकडाउन के बाद जब सीरियल की शूटिंग वापस से शुरू हुई तो उन्होंने सीरियल को अलविदा कह दिया है। तोरल रासपुत्रा ने बताया की सीरियल में लीप आ रहा था और लीप के बाद मैं मां का किरदार निभाने के लिए कम्फर्टेबल नहीं थी।